भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
26.06.2019 के
अतारांकित प्रश्न सं. 700 का उत्तर

लग्ज़री कोच

700. श्री अनिल फिरोजियाः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या रेल यात्री और पर्यटक अब शीशे की छत और इंफोटेनमेंट प्रणाली युक्त आधुनिक लग्ज़री कोचों जैसी स्विट्ज़रलैंड में होती हैं, में यात्रा करने की उम्मीद कर सकते हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या रेलवे का उक्त स्वदेशी लक्ज़री कोचों को शुरू करने का विचार है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसका उद्देश्य और मुख्य विशेषताएं क्या हैं;

(घ) उक्त कोचों की लागत क्या है तथा रेलवे उक्त कोचों को किसी क्षति से कैसे बचाएगी;

(ङ) उक्त कोचों को कब तक शुरू किए जाने की संभावना है; और

(च) क्या सरकार उक्त कोचों के निर्यात पर विचार कर रही है तथा यदि हां, तो इस संबंध में क्या योजना बनाई गई है?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (ग): जी हां। शीशे की छत वाले मनोरम परिदृश्य युक्त लग्ज़री कोच जिसे विस्टाडोम सवारी डिब्बा कहा जाता है, शुरू किए गए हैं। इनमें से कुछ सवारी डिब्बें इंफोटेनमेंट (सूचनोरंजन) प्रणाली से भी सुसज्जित होते हैं।

भारतीय रेल के निम्नलिखित खंडों में इस प्रकार के 13 सवारी डिब्बें उपलब्ध हैं।

i) दादर और मडगांव (1 सवारी डिब्बा)

ii) अराकू वैली (1 सवारी डिब्बा)

iii) कश्मीर वैली (1 सवारी डिब्बा)

iv) दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (4 सवारी डिब्बा)

v) कालका शिमला रेलवे (2 सवारी डिब्बा)

vi) कांगड़ा वैली रेलवे(1 सवारी डिब्बा)

vii) मथेरन हिल रेलवे (1 सवारी डिब्बा)

viii) नीलगिरी माउंटेन रेलवे (2 सवारी डिब्बा)

इन सवारी डिब्बों में शीशे की खिड़कियां बड़ी और आंतरिक भाग अच्छी गुणवत्ता के होते हैं।

(घ): नई बड़ी लाइन (ब.ला.) के विस्टाडोम सवारी डिब्बों के निर्माण की लागत लगभग 4 करोड़ रु. है। सवारी डिब्बा कारखाना / चेन्नै में निर्मित ब.ला. विस्टाडोम सवारी डिब्बों की शीशे की खिड़कियां लेमिनेटेड ग्लास शीट्स की बनी होती हैं, जो टूटतीं नहीं है। क्षेत्रीय रेलवे गाड़ियों/डिब्बों के संचालन के दौरान जहां भी आवश्यक होता है, आवश्यक सावधानी बरततें हैं।

(ङ): विस्टाडोम सवारी डिब्बे पहले से ही सेवा में हैं।

(च): जी नहीं। इस समय, किसी भी देश से ऐसा कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

*****

Sk